पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग उत्तर प्रदेश

सरकार गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा के विस्तार तथा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध–श्री केशव प्रसाद मौर्य

शिक्षा की गुणवत्ता, संस्कार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में प्रधानाचार्यों की भूमिका महत्वपूर्ण

लखनऊः 12 सितम्बर, 2026

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को लखनऊ में आयोजित उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के प्रदेशीय सम्मेलन एवं शैक्षिक उन्नयन विचार गोष्ठी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता, संस्कार एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को नई दिशा देने में प्रधानाचार्यों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानाचार्य केवल विद्यालय के प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन नहीं करते, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानाचार्य वर्तमान पीढ़ी को ऐसी शिक्षा, दीक्षा और संस्कार प्रदान करते हैं, जिससे भारत और उत्तर प्रदेश भविष्य में भी हर क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ें। उन्होंने प्रदेशभर से आए प्रधानाचार्यों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि शिक्षा जगत के इन महत्वपूर्ण प्रतिनिधियों का मार्गदर्शन और अनुभव प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने में उपयोगी है।

श्री मौर्य ने कहा कि डबल इन्जन सरकार में उत्तर प्रदेश में शिक्षा सहित प्रत्येक क्षेत्र में व्यापक सुधार और विकास के कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा के विस्तार, नवाचार को प्रोत्साहन तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। शिक्षा के क्षेत्र में सामने आने वाली व्यवहारिक समस्याओं का भी सरकार द्वारा प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में विधान परिषद में शिक्षक एवं स्नातक क्षेत्र के सदस्यों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ हुई विस्तृत बैठक में बेसिक, माध्यमिक, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि ऐसी बैठकों से जमीनी स्तर की समस्याओं को समझने और उनके समाधान का रास्ता निकालने में सहायता मिलती है।

उप मुख्यमंत्री ने प्रधानाचार्य परिषद द्वारा रखी गई समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानाचार्यों के सम्मान और उनकी गरिमा से जुड़े विषयों को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक प्रधानाचार्य के पद पर कार्य करने के बाद किसी अन्य व्यक्ति के चयनित होकर आने पर पूर्व प्रधानाचार्य को उसी विद्यालय में शिक्षक के रूप में कार्य करना पड़े, तो इससे उनके सम्मान को ठेस पहुंचने की स्थिति बन सकती है। उन्होंने कहा कि इस विषय में वे शासन स्तर पर आवश्यक प्रयास करेंगे और जरूरत पड़ने पर मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी से भी इस संबंध में चर्चा की जाएगी।

श्री मौर्य ने कहा कि विद्यालयों में विद्युत व्यवस्था से जुड़े विषय सहित परिषद द्वारा दिए गए ज्ञापन में उल्लिखित अन्य समस्याओं पर भी संबंधित स्तर पर चर्चा कर समाधान का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा शिक्षकों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा संबंधी सुविधाओं से लाभान्वित हो रहे शिक्षक वर्ग को राहत मिली है। इसी प्रकार प्रोजेक्ट अलंकार के माध्यम से सहायता प्राप्त विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों से प्राप्त होने वाला जमीनी फीडबैक सरकार के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है और प्रदेश के भविष्य के निर्माण में शिक्षा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को साकार करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आत्मनिर्भरता, नवाचार और संस्कारयुक्त शिक्षा को और मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने प्रधानाचार्यों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ संस्कार, अनुशासन, राष्ट्रभाव और जिम्मेदारी का बोध कराते हुए उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करें।

इस अवसर पर विधान परिषद के सदस्य श्री उमेश द्विवेदी, उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री बृजेश कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राघवेंद्र पांडे, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती मधुबाला, महामंत्री संगठन डॉ. मदन मोहन शंकर, श्री सतीश कथेरिया, मंडल अध्यक्ष श्री बृजेश कुमार तिवारी सहित परिषद के पदाधिकारीगण, सदस्यगण एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

सम्पर्क सूत्र– बी0एल0 यादव

राघवेन्द्र / 06:00 PM

फोन नम्बर Direct : 0522–2239023 ई0पी0बी0एक्स0: 0522–2239132,33,34,35 एक्सटेंशन : 223 224 225
फैक्स नं0 : 0522–2237230 0522–2239586 ई–मेल : upsoochna@gmail.com,
वेबसाइट :www.information.up.gov.in